Series LRH/1

Code No. **4/1/1**
कोड नं.

Roll No.
रोल नं.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **12** हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **17** प्रश्न हैं।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**
- इस प्रश्नपत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

HINDI
हिन्दी
(Course B)
(पाठ्यक्रम ब)

निर्धारित समय : 3 घण्टे] *[अधिकतम अंक : 100*
Time allowed :3 hours] *[Maximum marks : 100*

निर्देश : *(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं - क, ख, ग और घ।*
*(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।*
(iii) यथासंभव प्रश्नों के उपभागों के उत्तर क्रमश: लिखिए।

खंड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

पृथ्वी के समस्त मनुष्यों की जाति एक ही है – मनुष्य जाति। मानव का मानव से न कोई भेद होता है, न हो सकता है। संसार के किसी भी भाग का रहने वाला क्यों न हो वह, उसका एक

मात्र परिचय यह है कि वह मानव है, इन्सान है। प्रारंभ में मानव में किसी प्रकार की भेदभावना नहीं थी। स्वयं मानव ने पारस्परिक भेद की रचना की है। अधिकार-बोध से उसमें स्वार्थ की भावना का जन्म हुआ, फिर इससे अन्य अनेक भेदों की दीवारें उठ खड़ी हो गईं। दुनिया के तमाम झगड़ों की जड़ में यही स्वार्थ भावना है, जिससे अपने पराए बन जाते हैं।

गौतम बुद्ध, ईसामसीह, मुहम्मद, चैतन्य, नानक आदि महापुरुषों ने संसार में शान्ति व्यवस्था एवं सद्भावना के प्रसार के लिए धर्म के माध्यम से मनुष्य को परमकल्याण के पथ का निर्देश किया, किन्तु बाद में यही धर्म मनुष्य के हाथ में एक अस्त्र बन गया। धर्म के नाम पर रक्तपात हुआ। मनुष्य जाति विपन्न हो गई। पर धीरे-धीरे मनुष्य शुभबुद्धि से धर्मोन्माद के नशे से हुए और हो सकने वाले अनर्थ को समझने लग गया है।

धार्मिक विश्वासजनित भेदभावना अब धरती पर से धीरे-धीरे मिटती जा रही है। विज्ञान की प्रगति के साथ-साथ संचार के साधनों में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। फलतः देशों में दूरियाँ क़म हो गई हैं। अब एक देश दूसरे देश को अच्छी तरह जानने लग गया है और विभिन्न देशों के आपसी मनमुटाव दूर होने लगे हैं। फिर भी संसार में वर्णभेद की समस्या आज भी किसी न किसी रूप में वर्तमान है। कभी नस्ल, कभी रंग, कभी वर्ण, कभी जाति के नाम पर कुछ लोग बर्बरतापूर्ण व्यवहार करते रहे हैं। भेदभाव के इस कलंक को भी मिटाना होगा।

जो हो, संसार के सब मनुष्य एक हैं। समस्त भेद कृत्रिम हैं और मिट सकते हैं। अमृत की संतान है मानव। विश्व के समस्त जीवों में श्रेष्ठतम है और उसमें असीम शक्ति है। अपेक्षा है, शिक्षा के व्यापक प्रसार की। शिक्षा मानवीय मूल्यों के महत्त्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने का एक मात्र साधन है। इससे हम अपने को सब प्रकार की संकीर्णता के कलुष से मुक्त करके अपनी दृष्टि को निर्मल और विस्तीर्ण बना सकते हैं।

(i) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 1

(ii) मानव में पारस्परिक भेद की भावना कैसे आई? 1

(iii) महापुरुषों ने मनुष्य को कल्याण पथ का निर्देश कैसे और क्यों दिया? 2

(iv) धर्म मनुष्य के हाथ में एक अस्त्र कैसे बन गया? 1

(v) धार्मिक भेदभावना अब क्यों मिटती जा रही है? 1

(vi) आज वर्णभेद किन रूपों में दिखाई पड़ता है? 1

(vii) शिक्षा के व्यापक प्रसार की अपेक्षा क्यों है? 1

(viii) देशों में दूरियाँ कम क्यों हो गई हैं? 1

(ix) संधि-विच्छेद कीजिए – धर्मोन्माद, स्वार्थ। 1

(x) उपसर्ग और प्रत्यय अलग कीजिए – संकीर्ण, महत्त्व। 1

(xi) मिश्र वाक्य में बदलिए – समस्त भेद कृत्रिम हैं और मिट सकते हैं। 1

2. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

साँझ-सकारे चंदा-सूरज करते जिसकी आरती
उस मिट्टी में मन का सोना घोल दो –
ग्रह-नक्षत्रो! भारत की जय बोल दो।
वह माली है, वह खुशबू है, हम चमन हैं,
वह मंदिर है, वह मूरत है, हम नमन हैं,
छाया है माथे पर आशीर्वाद-सा,
वह संस्कृतियों के मीठे संवाद-सा,
उसकी देहरी अपना माथा टेककर
हम उन्नत होते हैं उसको देखकर।
ऋतुओ ! उसको नित नूतन परिधान दो,
झुलस रही हैं धरती, सावन दान दो।

सरल नहीं परिवर्तन में मन ढालना
हर पत्थर से भागीरथी निकालना
हम अनेकता में भी तो हैं एक ही,
हर संकट में जीता सदा विवेक ही
कृति, आकृति, संस्कृति, भाषा के वास्ते
बने हुए हैं मिलते-जुलते रास्ते
आस्थाओं की टकराहट से लाभ क्या?

मंज़िल को हम देंगे भला जवाब क्या?
एक हार में गूँथे मणि-माणिक हैं हम –
बिखरे फूलों को भी इसमें जोड़ दो,
ग्रह-नक्षत्रो! भारत की जय बोल दो।

(i) चाँद और सूरज कब, किसकी आरती करते हैं? 1

(ii) 'वह' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है? 1

(iii) ऋतुओं से क्या निवेदन किया गया है? 1

(iv) कवि को भारत किन-किन रूपों में दिखाई देता है? 1

(v) परिवर्तन आसान नहीं होता– यह समझाने के लिए कवि ने किसका उदाहरण दिया है? 1

(vi) उन पंक्तियों को उद्धृत कीजिए, जिनका आशय है – 'यदि हमारी एकता पर कोई संकट आता है तो हम विवेक-बुद्धि से उस पर विजय प्राप्त करते हैं'। 1

(vii) आशय स्पष्ट कीजिए – एक हार में गूँथे मणि-माणिक हैं हम
बिखरे फूलों को भी इसमें जोड़ दो। 2

अथवा

जिसमें स्वदेश का मान भरा,
आजादी का अभिमान भरा,
जो निर्भय पथ पर बढ़ आए,
जो महाप्रलय में मुस्काए,
जो अंतिम दम तक रहे डटे,
दे दिए प्राण, पर नहीं हटे,
जो देश-राष्ट्र की वेदी पर,
देकर मस्तक हो गए अमर,
दे रक्त-तिलक भारत ललाट–
उनको मेरा पहला प्रणाम।

फिर वे जो आँधी बन भीषण,
कर रहे आज दुश्मन से रण,

बाणों के पवि-संधान बने,
जो ज्वालामुख-हिमवान बने,
हैं टूट रहे रिपु के गढ़ पर,
बाधाओं के पर्वत चढ़कर,
जो न्याय-नीति को अर्पित हैं,
भारत के लिए समर्पित हैं,
कीर्तित जिससे यह धरा-धाम,
उन वीरों को मेरा प्रणाम।

श्रद्धानत कवि का नमस्कार,
दुर्लभ है छंद-प्रसून हार,
इसको बस वे ही पाते हैं,
जो चढ़े काल पर आते हैं,
हुंकृति से विश्व कँपाते हैं,
पर्वत का दिल दहलाते हैं,
रण में त्रिपुरान्तक बने शर्व,
कर ले जो रिपु का गर्व खर्व,
जो अग्नि-पुत्र, त्यागी, अकाम–
उनको अर्पित मेरा प्रणाम।

(i) कवि सबसे पहला प्रणाम किन्हें करता है? 2

(ii) निडर होकर रणक्षेत्र में डटे रहने वालों की किन विशेषताओं को कवि ने बताया है? 1

(iii) रक्त-तिलक देने का क्या तात्पर्य है? 1

(iv) दुश्मन से वीर किन रूपों में लड़ते हैं? 1

(v) धरती का यश फैलने की बात किन पंक्तियों में कही गई है? 1

(vi) कवि की कवितारूपी फूलों का हार कौन पाते हैं? 1

(vii) आशय स्पष्ट कीजिए – जो ज्वालामुख-हिमवान बने। 1

खंड ख

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर एक अनुच्छेद लिखिए :

(क) **स्वस्थ जीवन के लिए व्यायाम**

- शरीर और मन की स्वस्थता
- व्यायाम, आसन, प्राणायाम
- खानपान और रहन-सहन
- स्वस्थ व्यक्ति स्वस्थ परिवार

(ख) **सभा-भवन का शिष्टाचार**

- प्रवेश और आसन ग्रहण
- कार्यक्रम प्रस्तुति के बीच
- सराहना, उत्साहवर्धन
- कार्यक्रम समाप्ति पर

(ग) **पुस्तकालय में**

- प्रवेश, बैठने, अध्ययन के तौर-तरीके
- पुस्तकें छाँटते और लेते हुए
- पुस्तकों से छेड़छाड़ क्यों नहीं
- नियमों का निष्ठा से पालन

4. आपने बंगलौर में रहने वाले अपने मित्र को जन्मदिन का उपहार स्पीड पोस्ट से भेजा, जो उसे नहीं मिला। इस संबंध में डाक अधीक्षक को एक शिकायती पत्र लिखिए।

अथवा

अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को प्रार्थना-पत्र लिखकर निवेदन कीजिए कि अधिक-से-अधिक खेल का सामान विद्यालय में उपलब्ध कराया जाए।

खंड ग

5. (क) शब्द और पद में क्या अंतर है? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए। 1

(ख) निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित पदबंध का नाम बताइए: 1

सुभाष <u>अद्भुत साहसी वीर</u> थे।

(ग) रेखांकित पदों का पद-परिचय दीजिए: 2

<u>मैंने</u> गंगा-यमुना दोनों <u>नदियाँ</u> प्रयाग में देखीं।

6. (क) निर्देशानुसार वाक्य-रचना कीजिए: 2

(i) झंडा गाड़ते समय पुलिस ने अविनाश बाबू को पकड़ लिया। (मिश्र वाक्य)

(ii) वह मेरे सामने आकर ठिठक गया। (संयुक्त वाक्य)

(ख) रचना के अनुसार वाक्य का भेद लिखिए: 2

(i) ऐसा कौन व्यक्ति है जो सुखी नहीं रहना चाहता।

(ii) सूर्योदय हुआ और वे अपने काम पर चल दिए।

7. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए:

(क) महोदय, छात्रावास। (संधिच्छेद कीजिए) 1

(ख) प्रश्न + उत्तर, प्रति + एक। (संधि कीजिए) 1

(ग) फिल्म-निर्माता, महाविभूति। (समस्त पदों का विग्रह कीजिए) 1

(घ) महात्मा, मुँह-दिखाई। (समस्त पदों के समास का नाम लिखिए) 1

8. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** मुहावरों का प्रयोग वाक्य में इस प्रकार कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए: 2

(i) पहाड़ होना।

(ii) लगती बातें कहना।

(iii) जिगर के टुकड़े-टुकड़े होना।

(ख) नीचे लिखे वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति उपयुक्त मुहावरा और लोकोक्ति द्वारा कीजिए: 2

(i) चुनाव में दोनों दलों ने खूब प्रचार किया है, देखना है कि ……… बैठता है।

(ii) ईश्वर न करे, आज मैं बीमार पड़ जाऊँ तो तुम्हारे ऊपर ……………… टूट जाएँगे।

9. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए: 4

(क) मैं पढ़ा हूँ।

(ख) बच्चे को गरम गाय का दूध पिलाओ।

(ग) तुम वहाँ क्या देखा?

(घ) पिताजी गाड़ी पर आएँगे।

खंड घ

10. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी **एक** को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

राह कुर्बानियों की न वीरान हो
तुम सजाते ही रहना नए काफ़िले
फ़तह का जश्न इस जश्न के बाद है
ज़िंदगी मौत से मिल रही है गले
बाँध लो अपने सर से कफ़न साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो।

(क) कौन, किससे अपेक्षा कर रहा है? 1

(ख) कवि किनकी राहें वीरान नहीं होने की बात कहता है? 1

(ग) "ज़िंदगी मौत से मिल रही है गले" से कवि का क्या तात्पर्य है? 2

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए – 2

बाँध लो अपने सर से कफ़न साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो।

अथवा

सहानुभूति चाहिए, महाविभूति है यही,
वशीकृता सदैव है बनी हुई स्वयं मही।
विरुद्धवाद बुद्ध का दया-प्रवाह में बहा
विनीत लोकवर्ग क्या न सामने झुका रहा?
अहा! वही उदार है परोपकार जो करे
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।

(क) कवि किसे वास्तव में मनुष्य मानता है? 1

(ख) महाविभूति किसे कहा गया है और क्यों? 2

(ग) उदार किसे कहा जाएगा? 1

(घ) भाव स्पष्ट कीजिए : विरुद्धवाद बुद्ध का दया प्रवाह में बहा
विनीत लोक वर्ग क्या न सामने झुका रहा? 2

11. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 3×3=9

(क) मीराबाई ने श्रीकृष्ण की रूप माधुरी का वर्णन कैसे किया है? उसके 'पद' के आधार पर बताइए।

(ख) 'मधुर-मधुर मेरे दीपक जल' कविता में कवयित्री दीपक से जलने का आग्रह क्यों कर रही है?

(ग) विरासत में मिली चीजों को सँभालकर क्यों रखा जाता है? 'तोप' कविता के आधार पर लिखिए।

(घ) भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए – 'कहिहै सबु तेरौ हियौ मेरे हिय की बात।'

12. (क) 'आज धरती बनी है दुल्हन साथियो' इस पंक्ति से कवि धरती के बारे में क्या कहना चाहता है? 2

(ख) ''पर्वत प्रदेश में पावस'' कविता के आधार पर लिखिए कि पर्वतीय क्षेत्रों में पावस ऋतु में क्या-क्या परिवर्तन होते हैं। 3

13. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×3=6

तताँरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था। सदैव दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहता। अपने गाँव वालों को ही नहीं अपितु समूचे दीपवासियों की सेवा करना अपना कर्त्तव्य समझता था। उसके इस त्याग की वजह से वह चर्चित था। सभी उसका आदर करते। वक्त मुसीबत में उसे स्मरण करते और वह भागा-भागा वहाँ पहुँच जाता। उसका व्यक्तित्व तो आकर्षक था ही, साथ ही आत्मीय स्वभाव की वजह से लोग उसके करीब रहना चाहते। पारंपरिक पोशाक के साथ वह अपनी कमर में सदैव एक लकड़ी की तलवार बाँधे रहता। लोगों का मत था, बावजूद लकड़ी की होने पर, उस तलवार में अद्भुत दैवीय शक्ति थी।

(क) तताँरा का आदर सभी लोग क्यों करते थे ?

(ख) लोग उसके करीब क्यों रहना चाहते थे ?

(ग) तताँरा की तलवार के बारे में लोगों का क्या विश्वास था ?

अथवा

पहले ही दिन उसकी अवहेलना शुरू हो जाती। मैदान की वह सुखद हरियाली, हवा के हलके-हलके झोंके, फुटबाल की वह उछलकूद, कबड्डी के वह दाँव-घात, वॉलीबाल की वह तेज़ी और फुरती, मुझे अज्ञात और अनिवार्य रूप से खींच ले जाती और वहाँ जाते ही मैं सब कुछ भूल जाता। वह जानलेवा टाइम-टेबिल, वह आँखफोड़ पुस्तकें, किसी की याद न रहती और भाई साहब को नसीहत और फ़जीहत का अवसर मिल जाता। मैं उनके साये से भागता, उनकी आँखों से दूर रहने की चेष्टा करता, कमरे में इस तरह दबे पाँव आता कि उन्हें खबर न हो। उनकी नज़र मेरी ओर उठी और मेरे प्राण निकले। हमेशा सिर पर एक नंगी तलवार-सी लटकती मालूम होती। फिर भी जैसे मौत और विपत्ति के बीच भी आदमी मोह और माया के बंधन में जकड़ा रहता है, मैं फटकार और घुड़कियाँ खाकर भी खेलकूद का तिरस्कार न कर सकता था।

(क) टाइम टेबिल की अवहेलना के क्या-क्या कारण थे ?

(ख) भाईसाहब को नसीहत और फ़जीहत का अवसर क्यों मिल जाता था ?

(ग) लेखक भाईसाहब के साए से क्यों भागना चाहता था ?

14. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 3×3=9

(क) कलकत्ता में द्वितीय स्वतंत्रता दिवस किस प्रकार मनाया गया? 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर लिखिए।

(ख) 'झेन की देन' के आधार पर बताइए कि जापानी लोगों को मानसिक बीमारियाँ अधिक क्यों होती हैं?

(ग) 'तीसरी कसम' फिल्म नहीं सैल्यूलाइड पर लिखी कविता थी – इस कथन पर टिप्पणी कीजिए।

(घ) 'गिरगिट' कहानी में समाज की किन विसंगतियों की ओर ध्यान दिलाया गया है? अपने शब्दों में लिखिए।

15. (क) सआदत अली को कर्नल अवध के तख्त पर क्यों बिठाना चाहता था? 'कारतूस' के आधार पर उत्तर दीजिए। 3

(ख) प्रकृति में असंतुलन का क्या परिणाम हुआ है? 'अब कहाँ दूसरों के दुख में दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए। 2

16. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर पूरक पाठ्यपुस्तक 'संचयन' के आधार पर लिखिए: 4

(क) गाँव के लोग ठाकुरबारी के प्रति भक्तिभावना से भरे थे। इस तथ्य को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'सपनों के से दिन' पाठ के आधार पर पी.टी. सर की किन्हीं तीन चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

17. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 2×3=6

(क) टोपी ने इफ़्फ़न से दादी बदलने की बात क्यों कही? 'टोपी शुक्ला' के आधार पर लिखिए।

(ख) हरिहर काका की नज़र में महंत कब घृणित और दुराचारी नज़र आने लगा ?

(ग) छात्रों के नेता ओमा के सिर की क्या विशेषता थी ? 'सपनों के से दिन' के आधार पर बताइए।

(घ) हैडमास्टर शर्मा जी का छात्रों के साथ कैसा व्यवहार था ?